Departmental Counsel handling the case advised the Department not to take coercive action. It was also feared that any coercive ac ion against the company will result in closure of the unit leading to a loss of Rs. 20 crores per month to the Government revenue.

Merger of subsidiary Banks of the State Bank of India with the Main Bank

1918. SHRI PASUMPON THA. KIRUTTINAN: Will the Minister of FINANCE be pleased to state:

(a) whether Government are considering merger of all the subsidiary banks of the Stat Bank of India with the main bank;

(b) if so, what are the details thereof;

(c) if not, what are the reasons therefor;

(d) whether the Employees' Association of the subsidiary State Banks have made representation in this regard; and

(e) if so, what are the details of the representation?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF FINANCE (SHRI ANILSHASTRI): (a) to (e) There is no proposal at present under consideration of the Government for merger of the associate banks of State Bank of India with the State Bank of India (SBI). The Associate Banks' Officers' Association have submitted a memorandum to the Government, *inter-alia*, demanding de-linking of the associate banks from State Bank of India and establishing a single corporate entity by merging the 7 associate banks of the SBI Group. The existing set-up of the State Bank of India Group is found to have several, advantages. On -the other hand, Government and Reserve Bank of India do not find any distinct advantage either in delinking of the associate banks from SBI or in merger of these banks.

व्यापार घाटा

1919. **श्री राम जेठमलानी :** क्या वाणिज्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार का ध्यान दिनांक 9 अगस्त, 1990 के "टाइम्स आफ इंडिया" में "ट्रेड डेफिसिट अप बाई 8.2 परसेंट इन थ्री मन्थस" शीर्षक से प्रकाशित समाचार की ओर दिलाया गया है ;

(ख) क्या यह सच है कि चालू वित्तीय वर्ष की पहली तिमाही के दौरान निर्यात पिछले वर्ष की इसी अवधि के निर्यात से अधिक था ;

(ग) यदि हां, तो इस घाटे के क्या कारण हैं ;

(घ) क्या यह भी सच है कि इस अवधि के दौरान आयातों में वृद्धि हुई है ; और

(ङ) यदि हां, तो किन-किन वस्तुओं के आयात में वृद्धि हुई है और पिछले वर्ष के दौरान इस अवधि में इन वस्तुओं के आयात में कितनी वृद्धि हुई थी ?

वाणिज्य मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री अरंगिल शंधरन) : (क) जी, हां ।

(ख) अनन्तिम आंकड़ों के अनुसार चालू वित्तीय वर्ष 1990–91 की पहली तिमाही (अप्रैल–जून) के दौरान भारत के निर्यात 7428 करोड़ रुपये मूल्य के थे, जो पिछले वर्ष की इसी अवधि में हुए 6039 करोड़ रुपये की तुलना में 23.0 प्रतिशत अधिक हैं ।

(ग) अप्रैल–जून, 1990 के दौरान 1877 करोड़ रुपये के व्यापार घाटे के मुख्य कारण हैं । भारत द्वारा निर्यात किए जाने वाले छोटे हीरों के लिए विश्व बाजार में मंदी आने के कारण रत्न तथा आभूषण के निर्यात में गिरावट, कुछ कृषि मदों की अंतर्राष्ट्रीय कीमतों में गिरावट की प्रवृत्ति,